कृपया प्रकाशनार्थ **25 जून 2011**

पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने मुंबई में 25 जून 2011 को किया वक्तव्य

मुंबई, शनिवार: ''पिछले महिने में पेट्रोल के दाम प्रतिलिटर रु. 5 बढाने के फौरन बाद अब कल पेट्रोलियम मंत्री श्री. जयपाल रेड्डी ने डिजल, केरोसीन तथा घरेलु गैस के दामों में की वृद्धी अब तक की सबसे अधिक मूल्य वृद्धी है जिसके कारण आम आदमी का जिना मुश्किल हो जाएगा. एक ओर पेट्रोलियम पदार्थों के दामों की यह बढोतरी तो दुसरी ओर रिजर्व बैंक ने भी इसी एक वर्ष में दस बार व्याज दर में की वृद्धी के कारण महंगाई के दुष्टचक्र की गति कई गुना बढेगी. कांग्रेस सरकार ने आम आदमी के साथ धोखा किया है. मानो अपनी संवेदनहीनताही इस सरकार ने दिखा दी है''. ऐसी आलोचना पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने आज मुंबई में की.

''पेट्रोलियम मंत्री श्री. जयपाल रेड्डी का कहना कि यह बढोतरी न्यून तम है यह तो जले पे नमक छिडकना है. गरीब तथा मध्यमवर्ग महंगाई से कैसे पिसा जा रहा है यह क्या इस सरकार को दिखाई नहीं देता?'', ऐसा सवाल भी श्री. राम नाईक ने किया है.

भारत की तुलना पडोसी देशों से करते वक्त पेट्रोलियम मंत्री ने आधा सच कहा है ऐसा कह कर उनकी पोल खोलते हुए श्री. राम नाईक ने कहा,''श्री. जयपाल रेड्डी ने यह भी कहना चाहिए था कि भारत में पेट्रोल का दाम प्रतिलिटर रु. 68.33 है तो श्रीलंका में केवल रु. 46.28 (याने रु. 22.05 कम), बांगलादेश में रु. 45.16 (याने रु. 23.17 कम), तो पाकिस्तान में रु. 42.23 (याने रु. 26.10 कम) है. साथ ही साथ डिजल भारत में प्रति लीटर रु. 47.25 है तो श्रीलंका में सिर्फ रु. 31.55 (याने रु.15.70 कम), तो बांगलादेश में रु. 26.66 (याने रु. 20.59 कम) है. सबसे कमाल की बात तो यह है कि पेट्रोल का दाम है रु. 68.33 तो हवाई जहाज को लगनेवाले सबसे सक्षम इंधन (एटीएफ) का मूल्य सिर्फ रु. 58.60 याने पेट्रोल से भी रु. 9.73 सस्ता है. चांदी से सोना सस्ता ऐसा यह मामला है!''

इस पुरी परिस्थिती पर फिर से विचार कर कांग्रेस सरकार ने अपनी पेट्रोलियम नीती बनाने की आवश्यकता है ऐसा कहते हुए श्री. राम नाईक ने यह मूल्य वृद्धी तुरंत वापस लेने की माँग की. भारतीय जनता पार्टी इस दाम वृद्धी के खिलाफ आंदोलन छेड रही है, ऐसा भी श्री. राम नाईक ने कहा.

(कार्यालय मंत्री)